[This question paper contains 6 printed pages.]

5855 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Programme)/II/III **E**

HINDI LANGUAGE (B)—Paper II

हिंदी भाषा (ख)–प्रश्नपत्र II

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) कम हो रहा है मिलना-जुलना

P.T.O.

कम हो रही है लोगों की जान-पहचान
सुख-दुख में भी पहले की तरह इकट्ठे नहीं होते लोग
तार से आ जाती है बधाई और शोक-संदेश

बाबा को जानता था सारा शहर
पिता को भी चार मुहल्ले के लोग जानते थे
मुझे नहीं जानता मेरा पड़ोसी मेरे नाम से
अब सिर्फ़ एलबम में रहते हैं
परिवार के सारे लोग एक साथ

(i) उपर्युकत पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ii) लोग सुख-दुख में पहले की तरह इकट्ठे क्यों नहीं होते?

(iii) कवि के पड़ोसी को उसका नाम तक क्यों नहीं पता?

(iv) आजकल के सारे लोगों का एलबम में एक साथ दिखाई देना किस ओर संकेत करता है।

(ख) अब जमाना और है : अब कॉफ़ी हाउस अपनी पिछली ख्याति के बल पर हमें खींचता है, मगर वहाँ जाकर हम ऐसे-ऐसे खोखले दिमाग और रंगीन कपड़े देखते हैं कि तबियत हट जाती है और न विचार विमर्श में आस्था रह जाती है, न व्यक्ति के व्यक्तित्व में। हम सच कहते हैं कि ऐसे निर्विकार, भकुए चेहरे एक साथ हमने एक जगह नहीं देखे और अगर देखे भी, तो इतनी भड़कीली कमीजों से झाँकते हुए नहीं। दिल्ली में जो नवबढ़, नौदौलतिया वर्ग अभी बुलन्दी पर आया है उसने कॉफ़ी हाउस में बैठना अपनी पिछली पीढ़ी से सीखा है-और पिछली पीढ़ी गरीब पीढ़ी थी, उसने एक आने, छह पैसे और दो आने

लेकर कॉफ़ी हाउस जाना और वहाँ एक सामूहिक विनिमय में अपना कर्तव्य करना सीखा था-उसके लिए कॉफ़ी हाउस ही जाना जरूरी नहीं था-पर मध्य वर्ग के सफाई पसन्द नौजवानों के लिए कॉफ़ी हाउस ही एक सुगम सुलभ जगह थी।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों के लेखक तथा पाठ का नाम लिखिए।

(ii) कॉफ़ी हाउस के परिवेश में किस तरह का परिवर्तन देखने को मिलता है?

(iii) 'ऐसे निर्विकार, भकुए चेहरे' लेखक ने किसे और क्यों कहा है?

(iv) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-
सामूहिक, ख्याति

(ग) मैंने उससे कहा, "एक बात पूछूँ दादा? इनके चेहरे पर ये तीन गोदने यूँ ही हैं या इनका कोई मतलब और मकसद भी है?" "मतलब तो हइए है, लेकिन . . ." बूढ़े की मुद्रा तनिक पसीजी और सिर हिला, जैसे अँधेरे ने पंख फड़फड़ाए हों, मगर इसके आगे वह चुप लगा गया। मुझे ही वह दास्तान मुख्तसर में बयान करनी पड़ी-रानी सिनगीदाई और सेनापति की बेटी कैलीदई की चिन्ता, मुगलों का हमला और मर्द सरहुल के पर्व में नशे में, उठाए उठे नहीं, जगाए जगे नहीं। औरतों का मर्दाना पोशाक पहनकर मोर्चा संभालना, तीनों हमलों में मुगलों को शिकस्त देना, गद्दार सुन्दरी के चलते भेद खुल जाना, चौथा हमला, रानी का किला छोड़ना, लड़ती हुई कुछ बहादुर औरतों का पकड़ा जाना, तीन शिकस्त का बदला चेहरे पर तीन बार दाग कर लेना फिर

उन दागों को कलंक ना मानकर अभी ओराँव औरतों द्वारा सिंगार के रूप में अपना लिया जाना ...!

(i) ओरांव स्त्रियों ने किस प्रकार वीरता का परिचय दिया?

(ii) तीन बार दागा जाना तीन गोदनों में कैसे परिवर्तित हो गया?

(iii) निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए- दास्तान, शिकस्त (8,8=16)

2. निम्नलिखित में से **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) सामाजिक विषमता को तोड़ने के लिए किस प्रकार के प्रयत्नों की आवश्यकता है?(जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ)

(ii) 'काशी के वे दिन! सचमुच जीवन के सुखदतम दिनों में थे'- इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। (वे दिन)

(iii) राहुलजी सामाजिक और राजनीति कार्यों को किन कारणों से ज्यादा महत्व देते थे? (स्वयुभू महापंडित)

(iv) आज की कामकाजी महिला की घरेलू और बाहरी भूमिका के बारे में महादेवी वर्मा का क्या मत है? (घर-बाहर)

(v) लेखक ने खोटा पूंजीपति वर्ग किसे और क्यों कहा है? (नव धनाढ्य वर्ग या नए परजीवी) (3+3+3=9)

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(i) पश्चिमी हिन्दी की किसी एक बोली का परिचय

(ii) देवनागरी लिपि का मानकीकरण

(iii) राष्ट्रभाषा हिन्दी (4 + 4 + 4 = 12)

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय का पल्लवन कीजिए:

(i) चौराहे पर फूल बेचते बच्चे

(ii) जो तुम आ जाते एक बार

(iii) पराधीन सपने हुँ सुख नाहिं (6)

5. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

(i) आँखें दिखाना।

(ii) घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध।

(iii) आ बैल मुझे मार! (2 + 2 + 2 = 6)

6. निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक लिखते हुए संक्षेपण कीजिए:

भारतीय सभ्यता की यह अद्‌भुत विशेषता रही है - जो उसके जीवंत होने की मर्यादा है - कि वह अतीत को व्यतीत न मानकर उसे समकालीन जीवन की ऐसी प्रतीक व्यवस्था में संयोजित कर पाई है,

जो आज भी उतनी ही अर्थवान और संस्कार सम्पन्न है, जितनी पहले कभी थी। यूरोप की इतिहास चेतना वर्तमान और अतीत में जो सीधा-सीधा भेद करती है, वह भारतीय सभ्यता के परंपरा बोध में एकदम बेमानी और अनावश्यक हो जाता है। पिछले दो हजार वर्षों के दौरान विदेशी आक्रमणों, ऐतिहासिक उथल-पुथल और राजकीय परिवर्तनों ने इस परम्परा बोध को धूमिल और कलुषित अवश्यक किया हो, किन्तु इतना अवकाश अवश्य दिया है कि वह कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में जीवित रह सके। (6)

7. (i) लक्षणा शब्द-शक्ति को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'कांटा-कांटे में कढ़ाओ'-लक्ष्यार्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'उन्हें लगातार ऐसा भ्रम दिया गया था कि वे ही इस लोकतंत्र में सरकार बनाते हैं।'-व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए।

(4 + 4 + 4 = 12)

8. (i) कोश का परिचय देते हुए समांतर कोश की विशेषताएँ लिखिए

(ii) हिन्दी शब्द कोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए:

साहित्य, प्रतिभा, एकटक, कृति, शिक्षक, गंभीर, लालच, इतिहास

(4 + 4 = 8)